Result Mitra Daily Magazine

ब्रिटेन और मॉरिशस के बीच चागोस द्वीप समूह समझौता

❖ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में ब्रिटेन ने 3 अक्टूबर (गुरुवार)को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरिशस को सौंप देने की बात कही है।
- ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने इस मामले में बयान जारी कर कहा है कि ब्रिटेन ने अफ्रीका में अपने अंतिम विदेशी संप्रभुता वाले क्षेत्र को मॉरिशस को सौंपने का फैसला किया है।

❖ चागोस द्वीप समूह :

- हिंद महासागर के केंद्र में मालदीव द्वीप समूह के दक्षिण में लगभग 500 किलोमीटर दूरी पर स्थित चागोस द्वीप समूह 58 द्वीपों का समूह है।
- चागोस द्वीप समूह भारत के लक्षद्वीप समूह के सबसे दक्षिण हिस्से पर स्थित है, जो भारत के लक्षद्वीप संघीय क्षेत्र से समुद्री पर्वतों की एक श्रृंखला से जुड़ा हुआ है।
- यह द्वीप समूह 18वीं शताब्दी के अंत तक निर्जन रूप में था।
- सर्वप्रथम 19वीं शताब्दी के शुरुआत में फ्रांसीसियों ने यहां अफ्रीका और भारत से दास श्रमिकों को लाकर नारियल बगान स्थापित किया।
- वर्ष 1814 में फ्रांस ने इस द्वीप समूह को ब्रिटिशों को सौंप दिया। (वियना संधि के तहत)

- वर्ष 1965 में जब यूके (United Kingdom) ने ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT, British Indian Ocean Territory) का गठन किया उसमें चागोस द्वीप समूह हिंद महासागर के एक केंद्रीय हिस्से के रूप में था
- यूके द्वारा BIOT की गठन के बाद चागोस द्वीप समूह की प्रशासनिक उद्देश्य की दृष्टि से इसे हिंद महासागर क्षेत्र में अपने एक उपनिवेश मॉरिशस के साथ जोड़ दिया था।
- वर्ष 1968 में जब मॉरीशस को ब्रिटेन से आजादी मिली, तब चागोस द्वीप समूह ब्रिटेन के साथ रहा।
- तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने चागोस द्वीप समूह के लिए मॉरीशस को 3 मिलियन पाउंड का अनुदान दिया था।

❖ चागोस द्वीप समूह–एक सामरिक सैन्य अड्डा :

- चागोस द्वीप समूह लगभग 6,317 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसका मुख्य द्वीप 'डिएगो गार्सिया' जिसका क्षेत्रफल 2,720 वर्ग किलोमीटर है।
- इस द्वीप समूह का विशेष आर्थिक क्षेत्र लगभग 636.6 वर्ग किलोमीटर का है।
- चागोस द्वीप समूह पर ब्रिटेन द्वारा अपनी संप्रभुता बरकरार रखने के पीछे का मुख्य कारण सामरिक दृष्टि से इसकी रणनीतिक स्थिति रही।
- चागोस समूह की सामरिक रणनीतिक स्थिति की महत्ता के कारण वर्ष 1966 में ब्रिटेन ने अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करके अपने ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT) को दोनों देशों की रक्षा जरूरतों के लिए उपलब्ध कराया।
- वर्ष 1967 में ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा इसका सामरिक दृष्टि से अधिग्रहण कर लिया गया।
- ब्रिटेन और अमेरिका के बीच हुए इस समझौते के बाद BIOT प्रशासन ने एक आप्रवासन अध्यादेश जारी कर चागोस द्वीप समूह में बिना परमिट के प्रवेश करना गैर कानूनी बना दिया।
- इस अध्यादेश के बाद इस द्वीप समूह पर रह रहे लगभग 2000 नागरिकों को बाहर निकाल दिया गया, जो यूके और मॉरीशस के बीच विवाद का केंद्र रहा।
- वर्ष 1986 में अमेरिका द्वारा चागोस द्वीप समूह के डिएगो गार्सिया द्वीप को पूरी तरह से परिचालित सैन्य अड्डे के रूप में विकसित कर दिया गया।
- खाड़ी युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा इस दीप में स्थित एक सैन्य अड्डा को अमेरिकी हवाई संचालन के लिए महत्वपूर्ण रूप से उपयोग किया।
- इराक एवं अफगानिस्तान में हुए अमेरिकी सैन्य कार्यवाही एवं अमेरिका में हुए 9/11 हमले के बाद अमेरिका ने इस द्वीप समूह का इस्तेमाल हिरासत केंद्र के रूप में भी किया।
- पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव एवं हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखने के लिए यह द्वीप समूह अमेरिकी हितों के लिए काफी महत्वपूर्ण बना हुआ है।

Result Mitra

- इसके अलावा डिएगो गार्सिया द्वीप समूह अमेरिकियों को मलक्का जलडमरूमध्य की निगरानी के लिए एक महत्वपूर्ण चौकी भी प्रदान करता है।
- मलक्का जलडमरूमध्य हिंद महासागर क्षेत्र से विश्व व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण चेक पॉइंट के रूप में काम करता है।

❖ हालिया संधि का महत्व :

- मॉरीशस लंबे समय से ब्रिटेन द्वारा चागोस द्वीप समूह पर अवैध रूप से कब्जा करने की बात करता रहा है, जिसे वह कई बार अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी उठा चुका है।
- वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने द हेग (नीदरलैंड) स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय से चागोस द्वीप समूह के कानूनी स्थिति की जांच के लिए मतदान कराने को कहा गया था।
- वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के सलाहकारी राय के रूप में एक प्रस्ताव अपनाया गया।
- इस प्रस्ताव में मांग की गई कि यूनाइटेड किंगडम 6 महीने के भीतर चागोस द्वीप समूह क्षेत्र से अपने औपनिवेशिक प्रशासन को बिना शर्त वापस ले लें।
- इस मामले में तत्कालीन आईसीजे अध्यक्ष अब्दुलकाबी अहमद यूसुफ ने कहा कि वर्ष 1965 में मॉरीशस से चागोस द्वीप समूह को अलग करना तत्कालीन संबंधित लोगों की स्वतंत्रता और वास्तविक अभिव्यक्ति पर आधारित नहीं था।
- हालिया यूके और मॉरीशस के बीच चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंप जाने वाला समझौता मॉरीशस को 'डिएगो गार्सिया' के अलावा चागोस द्वीप समूह के अन्य द्वीपों पर पुनर्वास कार्यक्रम चलाने की अनुमति देता है।
- यह समझौता डिएगो गार्सिया सैन्य बेस को 99 वर्षों (1967 के बाद से) तक चालू रखने की अनुमति देता है।
- इसके अलावा इस समझौते के तहत ब्रिटेन इस द्वीप पर संप्रभु अधिकारों का प्रयोग जारी रखेगा।

Result Mitra